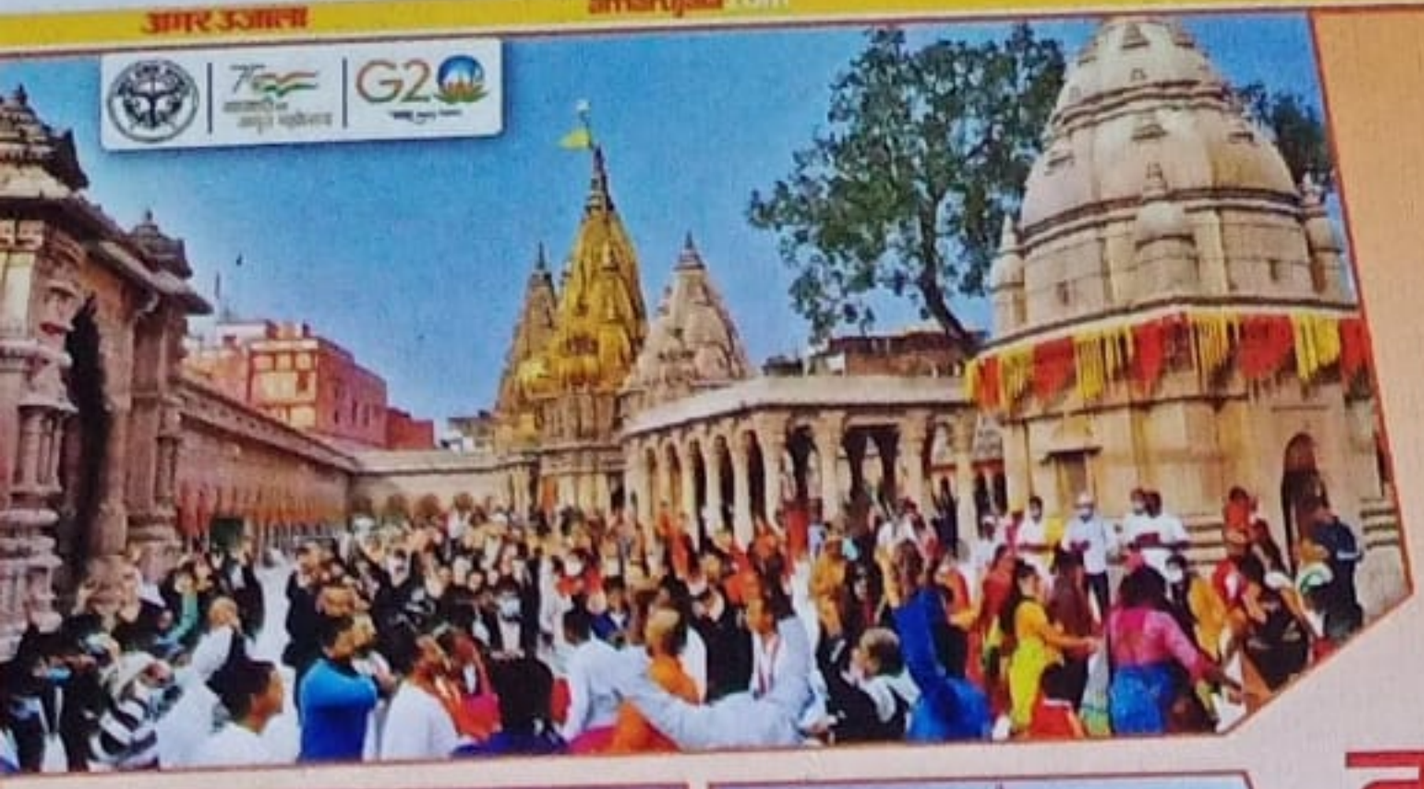

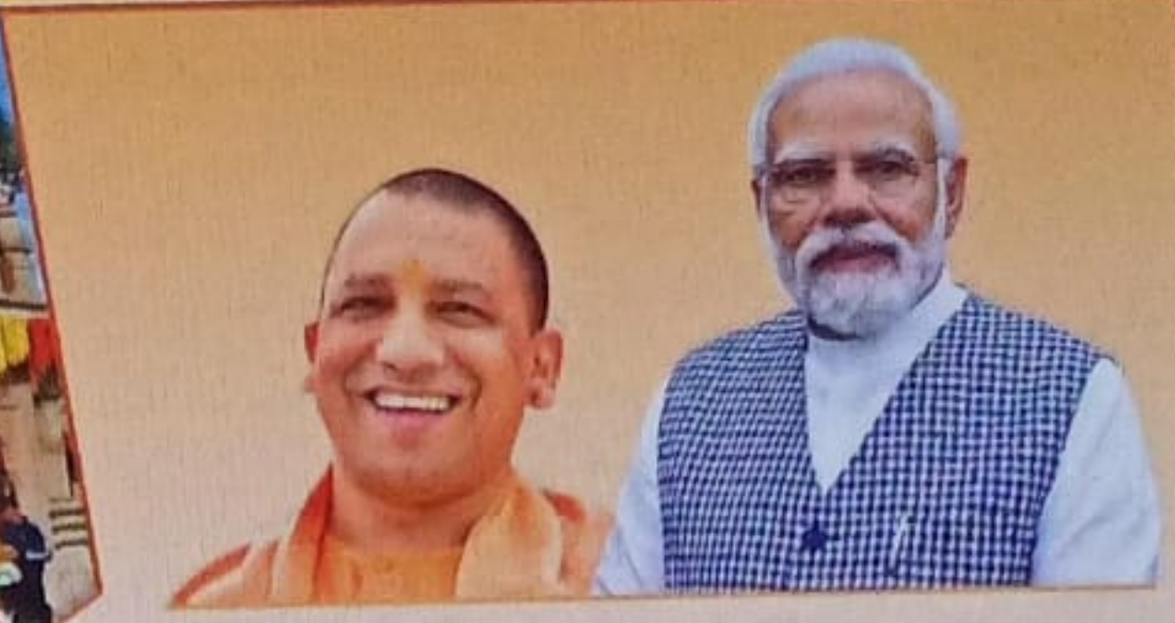

नए कीर्तिमान गढ़ रहा उत्तर प्रदेश

बैंकों व अन्य वित्तीय संस्थानों से फंडिंग आकर्षित करने में यूपी की हिस्सेदारी 15 गुना बढ़ोतरी के साथ 16.2 फीसदी पहुंची। इस मामले में यूपी देश में नंबर वन है।

उत्तर प्रदेश में गरीबों की संख्या में भारी कमी। यूपी में 3.43 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर हुए।

आईटीआर भरने वालों में दूसरा स्थान : इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वालों की संख्या में यूपी देश में दूसरे पायदान पर पहुंचा। 2014 में प्रदेश में केवल 1.65 लाख आईटीआर दाखिल हुए थे, जबकि जून 2023 में यह संख्या बढ़कर 11.92 लाख हो गई।

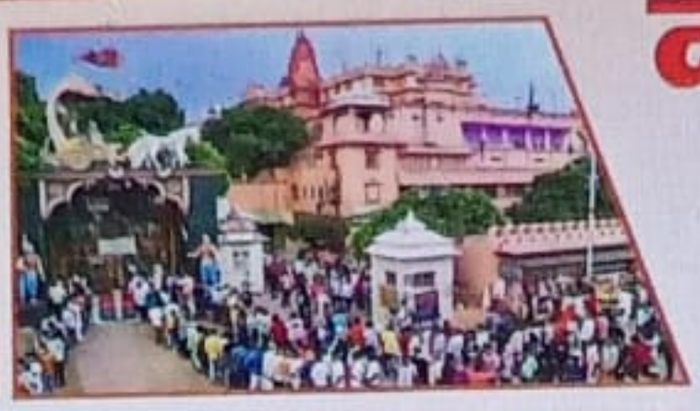

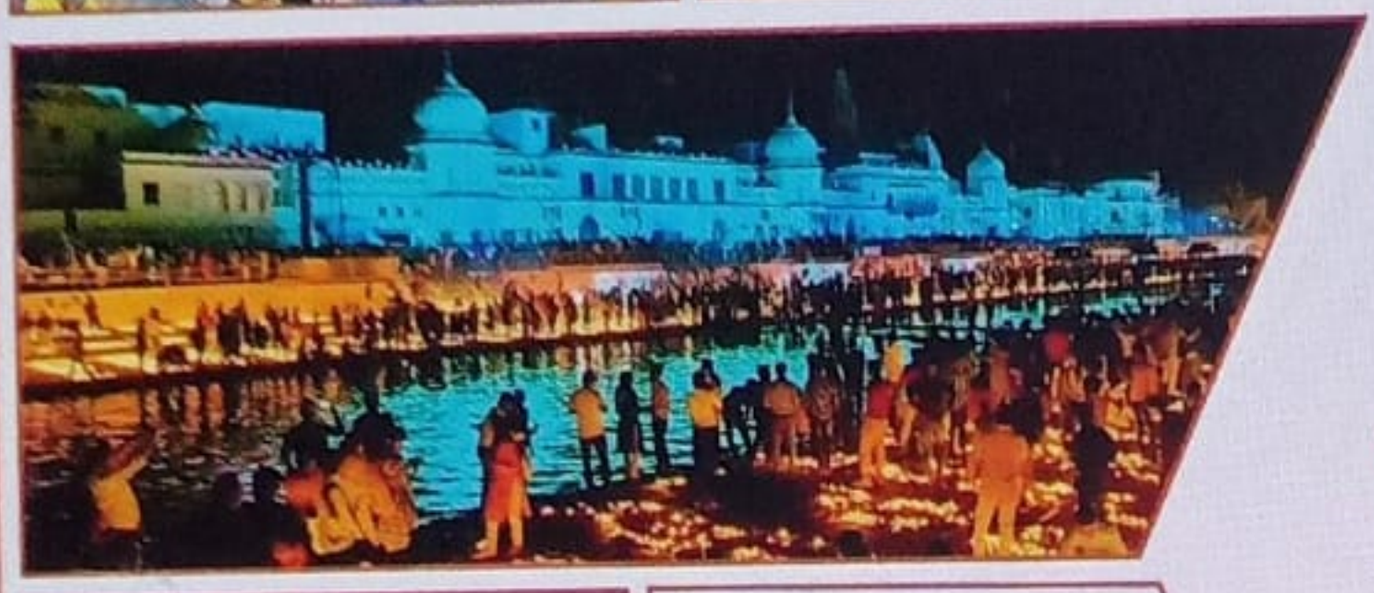

सबसे ज्यादा पर्यटक यूपी आए

उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटकों की संख्या के लिहाज से देश का पहला राज्य बन गया है। पिछले एक साल में ही प्रदेश में

31 करोड़ से ज्यादा घरेलू पर्यटक आए, जो देश के कुल घरेलू पर्यटन का 18.4 फीसदी हैं।

सरप्लस राजस्व वाला राज्य

कभी बीमारू कहा जाने वाला यूपी अब राजस्व सरप्लस राज्य हो गया है।
वित्त वर्ष 2016-17 में राज्य कर राजस्व लगभग 86 हजार करोड़ रुपये था, जो 71% वृद्धि के साथ 2022-23 में 1.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

2016-17 में जीएसटी/वैट लगभग 51,883 करोड़ रुपये था, जो 2022-23 में 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

सबसे ज्यादा निवेशक

नये निवेशकों की संख्या की दृष्टि से

यूपी नंबर एक

अप्रैल 2023 में यूपी से

1.26 लाख

नए निवेशक जुड़े

नए निवेशक जोड़ने के मामले में यूपी पिछले छह महीने से देशभर में पहले स्थान पर है।

आर्थिक रफ्तार में तेजी

वित्तीय वर्ष 2020-21 में जीएसडीपी 16,45,317 करोड़ रुपये थी, जो 2021-22 में लगभग 20 फीसदी बढ़कर 19,74,532 करोड़ रुपये हो गयी। वहीं, 2022-23 में राज्य आय 21.91 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है।

वित्तीय प्रबंधन की वजह से वर्ष 2022-23 में राजकोषीय घाटे की सीमा 4 फीसदी की तुलना में 3.96 फीसदी रखने में सफलता मिली है।

पहले यूपी में कुल बजट का लगभग 8 फीसदी ऋणों का ब्याज चुकाने में खर्च होता था, जो वर्ष 2022-23 में घटकर 6.5 फीसदी पर आ गया है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश